



प्रीलिम्स फैक्ट्स: 31 मई, 2019

 [drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-31-05-2019](http://drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-31-05-2019)

- कालबेलिया नृत्य
- NGTS-4b

## कालबेलिया नृत्य

- कालबेलिया नृत्य (Kalbelia Dance) राजस्थान के प्रसिद्ध लोकनृत्यों में से एक है। यह कालबेलिया समुदाय (एक सपेरा जाति) का पारंपरिक नृत्य है।
- राजस्थान की प्रसिद्ध लोक नृत्यकी गुलाबो ने इसे प्रसिद्धि दिलाई। इस नृत्य में पुरुष 'इकतारा' या 'तंदूरा' बजाकर महिला नर्तकी का साथ देते हैं।
- कालबेलिया नृत्यांगना घेरदार और काले रंग का घाघरा पहनती हैं, जिस पर कसीदाकारी के साथ ही काँच लगे होते हैं और इसी तरह की ओढ़नी और काँचली-कुर्ती भी होती है।

Kalbelia Dance

- इस नृत्य के दौरान नृत्यांगनाएँ पलकों से अँगूठी उठाने, मुँह से पैसे उठाने, उल्टी चकरी खाने आदि जैसी कई प्रकार की कलाबाज़ियाँ दिखाती हैं।
- यूनेस्को ने कालबेलिया नृत्य को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में भी शामिल किया है।

## NGTS-4b

हाल ही में खगोल वैज्ञानिकों ने एक नए 'निष्काषित बहिर्ग्रह' (Rogue Exoplanet) की खोज की है। इस ग्रह का तकनीकी नाम NGTS-4b रखा गया है।

बहिर्ग्रह (Exoplanet) या गैर-सौरिय ग्रह (Extrasolar Planet) हमारे सौरमण्डल के बाहर स्थित ग्रह होते हैं।

- इसकी विलक्षण विशेषताओं के कारण इसका उपनाम फॉरबिडेन प्लैनेट (Forbidden Planet) रखा गया है। NGTS-4b का अपना वायुमंडल है। यह मर्करी से भी ज्यादा गर्म है।
- मंथली नोटिसेस ऑफ रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी नामक जर्नल में इस ग्रह के संदर्भ में विस्तृत अध्ययन प्रकाशित किया गया है।
- NGTS-4b आकार में नेपच्यून से छोटा किंतु यह पृथ्वी से तीन गुना बड़ा है।
- यह बहिर्ग्रह पृथ्वी के वजन की तुलना में 20 गुना भारी और इसकी त्रिज्या नेपच्यून से 20% कम है। इसका तापमान 1000 डिग्री सेल्सियस है। यह ग्रह पृथ्वी की कक्षा के बराबर दूरी की परिक्रमा 1.3 दिन में पूरी करता है।
- यह ग्रह नेपच्यूनियन डेजर्ट में खोजा गया है। नेपच्यूनियन डेजर्ट क्षेत्र में गर्मी और रेडिएशन इतनी ज्यादा होती है कि गैसीय वायुमंडल वाले ग्रह इसमें अपना अस्तित्व नहीं बचा पाते।
- रेडिएशन के परिणामस्वरूप उनमें विस्फोट हो जाता है और सिर्फ कुछ चट्टानें बाकी रह जाती हैं। लेकिन, इस ग्रह का गैसीय वायुमंडल के साथ इस ज़ोन में अपने अस्तित्व को बचाए रखना वैज्ञानिकों के लिये एक चुनौती है।